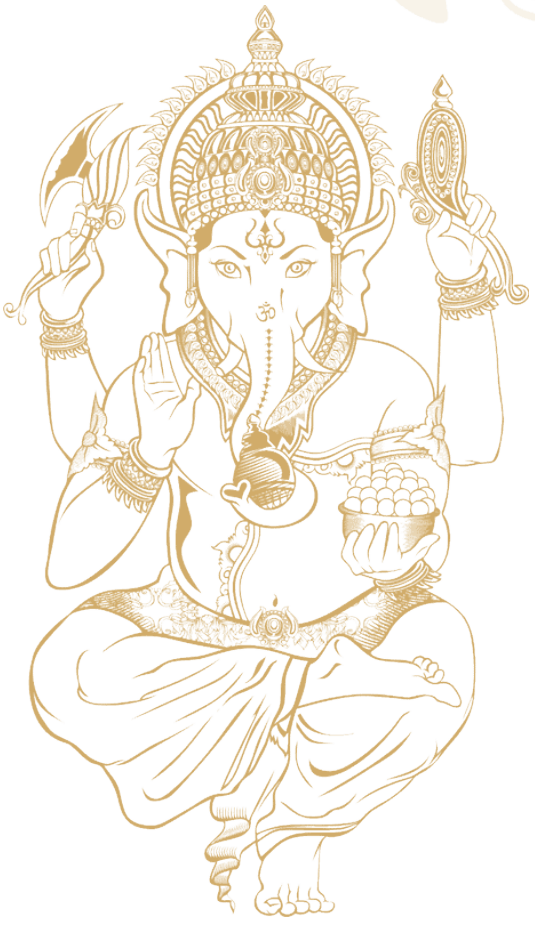

Suryansh Dube

Nandini

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121902002

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
04/11/1993	जन्म तिथि	30/11/1999
गुरुवार	दिन	मंगलवार
घंटे 21:30:00	जन्म समय	12:53:00 घंटे
घटी 37:16:22	जन्म समय(घटी)	14:53:51 घटी
India	देश	India
Delhi	स्थान	Delhi
28:39:00 उत्तर	अक्षांश	28:39:00 उत्तर
77:13:00 पूर्व	रेखांश	77:13:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:21:08	स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:35:27	सूर्योदय	06:55:27
17:33:50	सूर्यास्त	17:23:47
23:46:30	चित्रपक्षीय अयनांश	23:51:06

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
राहु 4वर्ष 7मा 0दि		19:28:11	मिथु	लग्न	कुंभ	17:20:02	शुक्र 13वर्ष 2मा 15दि	
शनि		18:28:37	तुला	सूर्य	वृश्चि	13:46:32	चन्द्र	
06/06/2014		16:36:15	मिथु	चंद्र	सिंह	17:51:40	14/02/2019	
06/06/2033		02:57:57	वृश्चि	मंगल	मक	09:13:32	13/02/2029	
शनि	09/06/2017	21:54:03	तुला व	बुध	तुला	23:52:28	चन्द्र	15/12/2019
बुध	17/02/2020	05:00:45	तुला	गुरु व	मेष	01:52:12	मंगल	15/07/2020
केतु	28/03/2021	00:41:42	तुला	शुक्र	कन्या	29:38:06	राहु	14/01/2022
शुक्र	27/05/2024	29:54:26	मक	शनि व	मेष	18:01:52	गुरु	16/05/2023
सूर्य	09/05/2025	09:19:53	वृश्चि	राहु व	कर्क	11:46:40	शनि	14/12/2024
चन्द्र	09/12/2026	09:19:53	वृष	केतु व	मक	11:46:40	बुध	16/05/2026
मंगल	17/01/2028	25:03:51	धनु	हर्ष	मक	19:37:06	केतु	15/12/2026
राहु	23/11/2030	24:56:51	धनु	नेप	मक	08:20:48	शुक्र	15/08/2028
गुरु	06/06/2033	01:07:49	वृश्चि	प्लूटो	वृश्चि	16:23:08	सूर्य	13/02/2029

लग्न-चलित

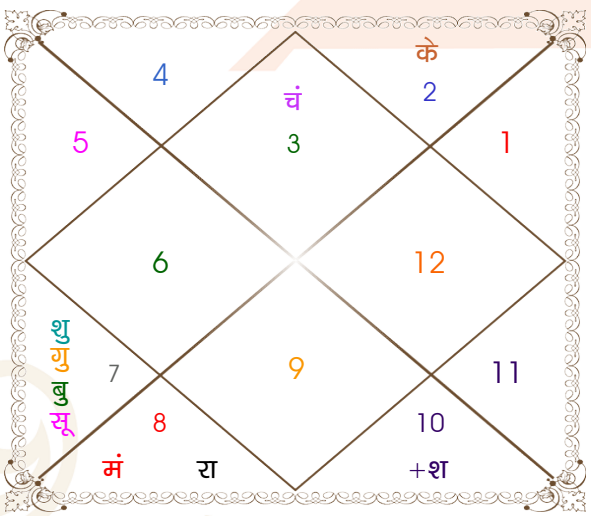

लग्न-चलित

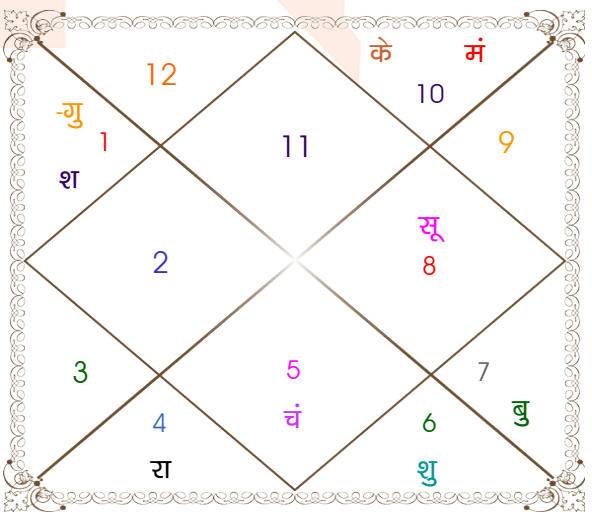

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	शूद्र	क्षत्रिय	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	वनचर	2	0.00	--	स्वभाव
तारा	प्रत्यारि	साधक	3	1.50	--	भाग्य
योनि	श्वान	मूषक	4	1.00	--	यौन विचार
मैत्री	बुध	सूर्य	5	4.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	मिथुन	सिंह	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	मध्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	27.50		

Suryansh Dube का वर्ग मार्जार है तथा Nandini का वर्ग श्वान है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Suryansh Dube और Nandini का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Suryansh Dube मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है।

Nandini मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल Nandini कि कुण्डली में उच्च का है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु Suryansh Dube कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Suryansh Dube तथा Nandini में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।